धुरियापार में 55 सौ एकड़ में बनेगा औद्योगिक गलियारा

गीडा बोर्ड की बैठक में औद्योगिक गलियारे के मास्टर प्लान व आवासीय योजना के ले आउट को मिली मंजूरी

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। धुरियापार में 5500 एकड़ में औद्योगिक गलियारा और गीडा क्षेत्र के चक भोप में 150 एकड़ में प्रस्तावित आवासीय योजना का रास्ता साफ हो गया है। बुधवार को गीडा की बोर्ड बैठक में औद्योगिक गलियारे के मास्टर प्लान और चकभोप में आवासीय योजना के ले-आउट को मंजूरी मिल गई। वहीं, कमिश्नर ने परियोजनाओं में देरी पर गीडा के सहायक प्रबंधक, वरिष्ठ प्रबंधक और दो अवर अभियंताओं को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।

कमिश्नर अनिल ढींगरा की अध्यक्षता में बुधवार को आयुक्त सभागार में हुई बोर्ड बैठक में धुरियापार औद्योगिक गलियारा बसाने की योजना का मास्टर प्लान गीडा सीईओ अनुज मलिक ने प्रस्तुत किया, जिसे बोर्ड के सदस्यों ने मंजूरी दे दी। कमिश्नर ने धुरियापार योजना का ले-आउट 45 दिन के अंदर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। कमिश्नर ने गीडा प्रशासन को परियोजनाओं को तय समय में पूरा करने का निर्देश दिया। सीईओ को निर्देशित किया कि लेटलतीफी के जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

बदल रहा है गोरखपुर

इस नए औद्योगिक क्षेत्र में ही अदाणी समूह समेत तीन कंपनियों को सीमेंट फैक्टरी लगाने के लिए जमीन का आवंटन होना है। मास्टर प्लान के मंजूर होने के बाद अब सड़क-नाली, पथ प्रकाश की व्यवस्था शुरू होगी। इसके बाद वहां भी गीडा की तरह ही फैक्टरियों के लिए जमीन आवंटन शुरू हो जाएगा।

इसके अलावा गीडा क्षेत्र के चक भोप में 150 एकड़ में प्रस्तावित आवासीय योजना के ले आउट को भी मंजूरी मिली है। कमिश्नर ने करीब 500 आवासीय भूखंड वाली परियोजना को समय से धरातल पर लाने के लिए सप्ताह भर के अंदर टेंडर निकाल कर विकास के कार्य को शुरू करने का निर्देश गीडा प्रशासन को दिया है।

नए सिरे से बनेगी सीईटीपी की डीपीआर

कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) पर गीडा सीईओ ने बताया कि इसका आरएफसी किया जा चुका है। अगले सप्ताह से डीपीआर बनाने का काम शुरू हो जाएगा। सीईओ ने बताया कि अभी तक गीडा की ओर से 600.90 एकड़ भूमि अधिग्रहित कर ली गई है। साथ ही गीडा के पास 1000 एकड़ का लैंड बैंक है।

ऑफलाइन आवेदन न हों मंजूर

कमिश्नर ने गीडा की योजनाओं से लेकर सभी प्रमुख जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध करने का निर्देश दिया। कहा कि सारी सूचनाएं वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएं। गीडा की ओर से जो भी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, उनके सभी आवेदन ऑनलाइन रूप से स्वीकृत किए जाएं। किसी भी दशा में कोई आवेदन ऑफलाइन स्वीकृत नहीं होना चाहिए। कमिश्नर ने उद्यमियों से बराबर संवाद कर उनकी परेशानियों को दूर करने का भी निर्देश दिया।

ऐतिहासिक घंटाघर का होगा सुंदरीकरण..देखते ही कौंधेंगी स्वतंत्रता आंदोलन की कहानियां

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। ऐतिहासिक घंटाघर का सुंदरीकरण होगा। सजावट ऐसी होगी कि देखते ही स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी कई कहानियां कौंधेंगी। 15वें वित्त आयोग के तहत नगर निगम इसका कायाकल्प कराएगा। इस पर एक करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ के हाथों सुंदरीकरण कार्य का शिलान्यास कराए जाने की तैयारी है।

शहर के हिंदी बाजार स्थित घंटाघर काफी समय से मरम्मत न होने की वजह से जर्जर हो गया है। इस ऐतिहासिक स्थल को आने वाली पीढ़ी भी देख सके, इसके लिए नगर निगम ने इसके सुंदरीकरण की योजना बनाई है। इसके तहत घंटाघर की दीवारों और घड़ी की मरम्मत कर रंग-रोगन किया जाएगा। घड़ी में डिजिटल बेल भी लगेगी जो हर घंटे बजेगी। नगर निगम के मुख्य अभियंता संजय चौहान ने बताया कि घंटाघर के सुंदरीकरण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। शिलान्यास के बाद वर्क ऑर्डर देकर काम शुरू करवा दिया जाएगा।

1857 में था पाकड़ का पेड़

***वर्तमान** में जहां घंटाघर है वहां 1857 में एक विशाल पाकड़ का पेड़ हुआ करता था। इसी पेड़ पर पहले स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अली हसन के साथ दर्जनों स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी दी गई थी। 19 दिसंबर 1927 को जब जिला कारागार में स्वतंत्रता सेनानी राम प्रसाद बिस्मिल को फांसी दी गई तो शहर में निकली उनकी शवयात्रा इसी स्थान पर आकर रुकी थी। उसी दौरान बिस्मिल की माता ने यहां पर एक प्रेरणादायी भाषण भी दिया था। इस घटना के बाद ये स्थान पूरी तरह से पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को समर्पित हो गया। 1930 में यहां घंटाघर का निर्माण कराया गया। इस पर बिस्मिल का चित्र भी लगा है।*

आसान होगा सफर...मोहद्दीपुर-असुरन फोरलेन का निर्माण शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। मोहद्दीपुर-असुरन फोरलेन निर्माण का काम बुधवार से शुरू हो गया। मोहद्दीपुर ओवरब्रिज के पास फर्म ने खोदाई शुरू कर दी। सड़क चौड़ीकरण से देवरिया और कुशीनगर की तरफ से आने-जाने वालों के लिए मेडिकल कॉलेज की राह आसान हो जाएगी। वहीं असुरन-पिपराइच फोरलेन और पादरी बाजार फोरलेन का भी मोहद्दीपुर तक सीधा जुड़ाव हो जाएगा।

निर्माण की जद में आ रहे पेड़ों की कटाई दो माह पहले ही शुरू हो गई थी। मोहद्दीपुर चौराहे से चार फाटक ओवरब्रिज होते हुए असुरन चौराहे तक जाने वाली सड़क देवरिया-कुशीनगर मार्ग के बिछिया, मोहद्दीपुर, खोराबार, एयरफोर्स आदि क्षेत्रों से मेडिकल कॉलेज जाने के लिए सबसे सुगम मार्ग है।

असुरन चौराहे से मोहद्दीपुर चौराहे तक फोरलेन निर्माण कार्य शुरू होजाने के बाद काम करते लोग। संवाद

असुरन से मेडिकल कॉलेज फोरलेन और कौवाबाग पुलिस चौकी से पादरी बाजार होते हुए बरगदवा फोरलेन निर्माण होने से असुरन-मोहद्दीपुर मार्ग पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ गया है।